भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 2020
दिनांक 31 जुलाई 2025

तमिलनाडु में पीएमयूवाई की स्थिति

†2020. **श्री मलैयारासन डी.:**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) तमिलनाडु में जारी किए गए एलपीजी कनेक्शनों की कुल संख्या, कवर किए गए लाभार्थियों और भौगोलिक पहुंच के संदर्भ में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) कनेक्शन प्राप्त करने के बाद सक्रिय रूप से एलपीजी सिलेंडर भरवाने वाले लाभार्थियों की संख्या कितनी है और निम्न आय वाले परिवारों में स्वच्छ रसोई ईंधन के निरंतर उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या सरकार ने ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में इनडोर वायु प्रदूषण को कम करने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने पर पीएमयूवाई के प्रभाव का कोई आकलन किया है और या हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) योजना के प्रभावी उपयोग को बढ़ाने के लिए लाभार्थियों के बीच रिफिल करवाने के सामर्थ्य, आपूर्ति श्रंखला संबंधी मुद्दों और जागरूकता की कमी जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) मई 2016 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य देश भर के गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बिना किसी जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन प्रदान करना था। दिनांक 01.07.2025 की स्थिति के अनुसार, देश भर में 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन हैं, जिनमें तमिलनाडु राज्य में 40.98 लाख कनेक्शन शामिल हैं। तमिलनाडु में पीएमयूवाई कनेक्शनों का जिला-वार ब्यौरा अनुलग्नक-क में दिया गया है।

(ख) तमिलनाडु में, दिनांक 01.07.2025 की स्थिति के अनुसार कुल पीएमयूवाई ग्राहकों में से 99.50% ने अपने कनेक्शन लगाने के बाद रिफिल ले लिया है।

(ग) विभिन्न स्वतंत्र अध्ययनों और रिपोर्टों से पता चला है कि पीएमयूवाई योजना का ग्रामीण परिवारों, विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं और परिवारों के जीवन पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कुछ प्रमुख लाभों का संक्षेप में निमन्वत वर्णन किया गया है:

(i) पीएमयूवाई के परिणामस्वरूप पारंपरिक खाना पकाने के तरीकों में बदलाव आया है, जिनमें लकड़ी, गोबर और फसल अवशेषों जैसे ठोस ईंधन जलाना शामिल है। स्वच्छ ईंधन के उपयोग से घर के अंदर का वायु प्रदूषण कम होता है, जिससे विशेषकर महिलाओं और बच्चों में, श्वसन स्वास्थ्य में सुधार होता है, जो पारंपरिक रूप से घरेलू धुएं के संपर्क में अधिक आते हैं।

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों में, विशेषकर दूरदराज क्षेत्रों में, परिवार अक्सर अपना काफी समय और ऊर्जा पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन जुटाने में लगाते हैं। एलपीजी ने गरीब परिवारों की महिलाओं की मेहनत और खाना पकाने में लगने वाले समय को कम किया है। इस प्रकार, उनके पास उपलब्ध खाली समय का उपयोग कई क्षेत्रों में आर्थिक उत्पादकता बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

(iii) बायोमास और पारंपरिक ईंधन से एलपीजी पर स्विच करने से खाना पकाने के लिए लकड़ी और अन्य बायोमास पर निर्भरता कम हो जाती है, जिससे वनों की कटाई और पर्यावरणीय क्षरण में भी कमी आती है। इससे न केवल परिवारों को लाभ होता है, बल्कि व्यापक पर्यावरण संरक्षण प्रयासों में भी योगदान मिलता है।

(iv) बेहतर खाना पकाने की सुविधाओं से पोषण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। परिवारों के लिए विभिन्न प्रकार के पौष्टिक भोजन पकाना आसान हो सकता है, जिससे समग्र स्वास्थ्य बेहतर होगा।

(घ) पीएमयूवाई लाभार्थियों की एलपीजी खपत की निगरानी पीपीएसी की खपत रिपोर्ट, कॉमन एलपीजी डेटा प्लेटफॉर्म (सीएलडीपी) और तेल विपणन कंपनियों के साथ बैठकों के माध्यम से नियमित रूप से की जाती है। परिवारों द्वारा घरेलू एलपीजी की खपत खान-पान की आदतें, परिवार का आकार, खाना पकाने की आदतें, परंपरा, स्वाद, पसंद, मूल्य, वैकल्पिक ईंधन की उपलब्धता आदि जैसे कई कारकों पर निर्भर करती है।

जागरूकता सृजन करने और एलपीजी के उपयोग को बढ़ाने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं, जिनमें अभियान चलाना, कनेक्शनों का नामांकन और वितरण करने के लिए मेले/शिविर आयोजित करना, आउट ऑफ होम (ओओएच) होर्डिंग्स, रेडियो जिंगल्स, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैन आदि के माध्यम से प्रचार करना, एलपीजी पंचायतों के माध्यम से अन्य पारंपरिक ईंधनों की तुलना में एलपीजी के उपयोग के लाभों और एलपीजी के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाना, विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत नामांकन/जागरूकता शिविर, पीएमयूवाई कनेक्शन प्राप्त करने के लिए आधार नामांकन और बैंक खाते खोलने के लिए उपभोक्ताओं और उनके परिवारों को सुविधा प्रदान करना शामिल है। सरकार ने पीएमयूवाई लाभार्थियों द्वारा एलपीजी की खपत को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें राजसहायता राशि से ऋण वसूली को स्थगित करना, अग्रिम नकद व्यय को कम करने के लिए 14.2 किलोग्राम से 5 किलोग्राम तक स्वैप विकल्प, 5 किलोग्राम डबल बॉटल कनेक्शन का विकल्प, लाभार्थियों को निरंतर आधार पर एलपीजी का उपयोग करने हेतु राजी करने के लिए प्रधानमंत्री एलपीजी पंचायत का आयोजन, जन जागरूकता शिविर आदि शामिल हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, पीएमयूवाई लाभार्थियों की प्रति व्यक्ति खपत (प्रति वर्ष लिए गए 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडरों की संख्या के संदर्भ में) 3.68 (वित्त वर्ष 2021-22) से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 4.47 हो गई है।

इसके अलावा, पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी को अधिक किफायती बनाने के लिए, सरकार 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर पर 300 रुपये की लक्षित राजसहायता प्रदान कर रही है। तमिलनाडु में पीएमयूवाई परिवारों द्वारा एलपीजी की खपत 217.52 हज़ार मीट्रिक टन (टीएमटी) (वित्तीय वर्ष 2022-23) से बढ़कर 279.9 टीएमटी (वित्तीय वर्ष 2024-25) हो गई है। साथ ही, तमिलनाडु में पीएमयूवाई लाभार्थियों की प्रति व्यक्ति खपत 4.28 (वित्तीय वर्ष 2022-23) से बढ़कर 4.81 (वित्तीय वर्ष 2024-25) हो गई है।

दिनांक 01.07.2025 की स्थिति के अनुसार, देश भर में कुल 25,573 एलपीजी डिस्टरीब्यूटरशिप हैं, जिनमें से 1652 तमिलनाडु राज्य में हैं। इन्हें देश भर में स्थित तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) के 213 एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों के माध्यम से सेवा प्रदान की जाती है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में एलपीजी की पहुँच में सुधार के लिए, ओएमसीज ने देश भर में दिनांक 01.04.2016 से 30.06.2025 के दौरान 7997 डिस्टरीब्यूटरशिप नियुक्त की हैं, जिनमें से 7403 (अर्थात 93%) [रूर्बन- 1033, ग्रामीण- 4991, दुर्गम क्षेत्रीय वितरक और राजीव गांधी ग्रामीण एलपीजी वितरक (डीकेवी+आरजीजीएलवी) - 1379] ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा प्रदान कर रहे हैं।

*****

अनुलग्नक-क

श्री मलैयारासन डी द्वारा पूछे गए "तमिलनाडु में पीएमयूवाई की स्थिति" के संबंध में 31.07.2025 को उत्तर दिए जाने वाले लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2020 के भाग (क) में उल्लिखित अनुलग्नक।

तमिलनाडु में पीएमयूवाई योजना के तहत कनेक्शनों का जिलावार विवरण
दिनांक 01.07.2025 की स्थिति के अनुसार

जिला	पीएमयूवाई कनेक्शनों की संख्या
अरियालुर	72,184
चेंगलपट्टू	1,22,872
चेन्नई	32,730
कोयंबटूर	46,793
कुड्डालोर	2,54,010
धर्मपुरी	1,13,164
डिंडीगुल	1,48,070
इरोड	1,16,599
कल्लाकुरिची	92,640
कांचीपुरम	67,988
कन्याकुमारी	88,714
करूर	54,129
कृष्णागिरी	1,21,558
मदुरै	1,60,043
माइलादुत्रयी	67,675
नागपट्टिनम	49,595
नमक्कल	1,27,689
पेरम्बलुर	44,611
पुदुक्कोट्टई	1,73,264
रामनाथपुरम	1,49,922
रानीपेट	99,870
सलेम	2,02,207
शिवगंगा	89,670
तेनकासी	86,469
तंजावुर	1,38,037
नीलगिरी	18,331
थेनी	67,449
थिरुवल्लुर	1,20,331
थिरुवरुर	1,14,755
थूथुकुड़ी	1,02,088
तिरुचिरापल्ली	1,51,817
तिरुनेलवेली	72,404
तिरुपथुर	75,070
तिरुपूर	54,946
तिरुवन्नामलाई	2,15,330
वेल्लोर	1,22,433
विलुप्पुरम	1,42,873
विरुधुनगर	1,19,895

स्रोत: पीएसयू ओएमसी की ओर से आईओसीएल